विद्या भारती संकुल संवाद

फ़रवरी 2026
माघ - फाल्गुन
विक्रमी संवत 2082

"सा विद्या या विमुक्तये"

विद्या भारती के महामंत्री ने दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री से की भेंट

विशेष

संगठनात्मक एवं प्रशिक्षण:
- विद्या भारती प्रकाशन विभाग की अखिल भारतीय कार्यशाला
- विद्या भारती की अखिल भारतीय प्रशिक्षण बैठक

पूर्व छात्र | हमारा गौरव:
- तेरा तुझको अर्पण के भाव के साथ सामाजिक रूप से सक्रिय विद्या भारती के पूर्व छात्र
- सेवा की मिसाल: डिस्कॉम इंजीनियर हेमंत पटेल ने 140 युवाओं को दिलाई सरकारी नौकरी

उपलब्धि एवं सम्मान:
- कंकिता दास ने समुद्र में 17 किमी तैरकर रचा इतिहास
- सरस्वती विद्या मंदिर भेल को प्रतिष्ठित 'कमला नेहरू पुरस्कार'

विशेष आयोजन:
- सप्तशक्ति संगम: मातृशक्ति के सात दिव्य गुणों के जागरण का महा-अभियान
- विद्या भारती के उपाध्यक्ष ने प्रेस को किया संबोधित

विद्या भारती के महामंत्री ने दिल्ली की मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री से की भेंट;

'विद्या भारती भवन' के लोकार्पण हेतु दिया निमंत्रण

नई दिल्ली। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के महामंत्री श्री देशराज शर्मा ने दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता एवं शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद से शिष्टाचार भेंट की। इस उच्च स्तरीय बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन और शिक्षा क्षेत्र में नवाचारों पर विस्तृत चर्चा हुई।

प्रमुख बिंदु:

लोकार्पण का निमंत्रण: महामंत्री श्री देशराज शर्मा ने नवनिर्मित "विद्या भारती भवन" के लोकार्पण समारोह हेतु मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।

शैक्षणिक विमर्श: भेंट के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के धरातल पर क्रियान्वयन और भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा पद्धति को सुदृढ़ करने के विषयों पर विचार साझा किए गए।

कॉफी टेबल बुक का भेंट: मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को विद्या भारती के विशाल संगठनात्मक ढांचे, उपलब्धियों और गतिविधियों से परिचित कराने हेतु एक विशेष 'कॉफी टेबल बुक' भेंट की गई। विद्या भारती के इस नए कार्यालय 'विद्या भारती भवन' का लोकार्पण संस्थान के विस्तार और राष्ट्रीय राजधानी में इसके प्रभावी समन्वय की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा।

विद्या भारती की अखिल भारतीय प्रशिक्षण बैठक

जयपुर: विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के प्रशिक्षण विभाग की चार दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक 'सेवाधाम', जयपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

इस बैठक में देशभर के विभिन्न क्षेत्रों के प्रशिक्षण प्रमुखों ने सहभागिता की, जिसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश क्षेत्र का प्रतिनिधित्व भी शामिल रहा।

मार्गदर्शन एवं विमर्श:

शीर्ष नेतृत्व का सानिध्य: बैठक में अखिल भारतीय संगठन मंत्री आदरणीय गोविंद चंद्र महंत जी एवं अखिल भारतीय मंत्री आदरणीय श्री शिव कुमार जी का ओजस्वी पाथेय प्राप्त हुआ। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से चरित्र निर्माण और संगठनात्मक सुदृढ़ता पर बल दिया।

अनुभव साझाकरण: देश के विभिन्न हिस्सों से आए 14 प्रबुद्ध शिक्षाविदों के बीच हुए वैचारिक संवाद और अनुभवों के आदान-प्रदान से भविष्य के प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई।

विद्या भारती प्रकाशन विभाग की अखिल भारतीय कार्यशाला

शिक्षा के क्षेत्र में भारतीयता का स्पष्ट स्वरूप ही हमारा लक्ष्य – गोविन्द महंत

भोपाल: शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के कार्य में प्रकाशन विभाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस उद्देश्य को सुदृढ़ करने के लिए विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा दो दिवसीय प्रकाशन विभाग की अखिल भारतीय कार्यशाला का आयोजन सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान के प्रांतीय कार्यालय 'प्रज्ञादीप', भोपाल में 21 एवं 22 फरवरी 2026 को किया गया।

गरुमामयी उपस्थिति:

उद्घाटन सत्र में विद्या भारती के वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे:

- श्री गोविन्द चंद्र महंत (अखिल भारतीय संगठन मंत्री)
- श्री श्रीराम आरावकार (सह संगठन मंत्री)
- श्री देशराज शर्मा (अखिल भारतीय महामंत्री)
- श्री रोहित वासवानी (कोषाध्यक्ष)
- श्री मोहनलाल गुप्त (प्रांतीय अध्यक्ष, मध्यभारत प्रांत)

कार्यशाला के मुख्य बिंदु:

- **भारतीय चिंतन एवं NEP 2020:** मुख्य वक्ता श्री गोविन्द चंद्र महंत (अखिल भारतीय संगठन मंत्री, विद्या भारती) ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 में भारतीय चिंतन, मातृभाषा आधारित शिक्षण और संस्कार केंद्रित शिक्षा की स्पष्ट झलक मिलती है।
- **विद्यार्थियों के लिए विजन:** श्री गोविन्द चंद्र महंत ने बताया कि वर्तमान पाठ्यक्रम को भारतीय जीवन मूल्यों से जोड़ने के लिए तैयार किया जा रहा है। लक्ष्य ऐसे विद्यार्थियों का निर्माण करना है जो 'भारतीयता' से प्रेरित होकर राष्ट्रनिष्ठ और उत्तरदायी नागरिक बनें।
- **"शिशु वाटिका" की सफलता:** श्री गोविन्द चंद्र महंत ने उल्लेख किया कि विद्या भारती द्वारा विकसित "शिशु वाटिका" (संस्कार आधारित प्रारंभिक शिक्षा) की अवधारणा को अब शासन ने भी स्वीकार किया है, जो भारतीय शिक्षा पद्धति की प्रभावशीलता का प्रमाण है।
- **रणनीतिक चर्चा:** देशभर से आए प्रतिनिधियों ने निम्नलिखित विषयों पर गहन मंथन किया:
    - पाठ्य सामग्री की गुणवत्ता और प्रासंगिकता।
    - संपादन प्रक्रिया में नवीन तकनीकों का उपयोग।
    - वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाना।
    - डिजिटल युग में प्रकाशन क्षेत्र की चुनौतियाँ।

व्यावसायिकता से परे एक मिशन:

कार्यक्रम का संचालन श्री देशराज शर्मा ने किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रकाशन विभाग का उद्देश्य व्यावसायिक नहीं, बल्कि शिक्षा में भारतीय मूल्यों को पुष्ट करना है। कार्यशाला का समापन राष्ट्रभावना से ओतप्रोत और मूल्य-आधारित साहित्य के निर्माण के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ।

गुणवत्ता पूर्ण प्रकाशन

श्री रोहित वासवानी ने खाता नियमो के विषयों का महत्व बताते हुए कहा :

- प्रकाशन का पंचांग (वार्षिक कार्ययोजना) बनानी चाहिए।
- विषय वार कार्यशालाएं पूर्व निर्धारित योजना अनुसार हों।
- लेखन, छपाई, प्रूफ़ रीडिंग, वितरण तक की योजना बने।
- खरीदी, मुद्रण, बिक्री, आदेश का हिसाब व्यवस्थित रखें।
- सत्र प्रारंभ से सत्र समाप्ति तक की योजना सबके पास पहुंचे।

असम के विद्या निकेतनों के लिए मानक तय

असम | शिशु शिक्षा समिति असम द्वारा संचालित संकरदेव शिशु एवं विद्या निकेतन के समावेशी "उत्कर्ष महोत्सव" का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्या निकेतनों के शैक्षिक मानकों में सुधार के साथ संस्थागत क्षमता, प्रशासनिक कौशल और मूल्य आधारित शिक्षा को प्रभावी बनाना था। इसके तहत असम के 520 विद्या निकेतनों के लिए मानक तय किए गए। इन मानकों को पूरा करने के लिए शिशु शिक्षा समिति ने प्रत्येक विद्या निकेतन के लिए 5 सदस्यीय टीम नियुक्त की है जिसमें एक शिक्षाविद, एक वरिष्ठ शिक्षक, एक अभिभावक और एक पूर्व छात्र को शामिल किया गया है।

इस उत्कर्ष महोत्सव के माध्यम से विद्या निकेतनों के 1 लाख 45 हजार 243 विद्यार्थियों, 8 हजार 550 आचार्य-आचार्या को जोड़कर शिशु शिक्षा समिति असम ने विद्या भारती के कार्यों में एक नई शुरुआत की है।

इस महोत्सव में सह-संगठन मंत्री श्री श्रीराम अरावकर, महामंत्री श्री देशराज शर्मा, उत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष डॉ. गंगा प्रसाद प्रसाईं, संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, सचिव डॉ. जगदीन्द्र राय चौधरी, शिशु शिक्षा समिति असम के अध्यक्ष श्री कुलेंद्र कुमार भगवती, महासचिव श्री जगन्नाथ राजबंशी और संयुक्त सचिव डॉ. धनजीत डेका आदि उपस्थित रहे।

भारतीय शिक्षा शोध संस्थान ने बनाई “शोध नीति”

लखनऊ। शोध संस्थान के लखनऊ कार्यालय में आयोजित बैठक में विद्या भारती के विद्यालयों और विद्यार्थियों के भावनात्मक, सामाजिक प्रभाव, भारतीय शिक्षा दर्शन एवं मनोविज्ञान के आधार पर शिक्षण पद्धतियों के परिणाम पर भारतीय शिक्षा शोध संस्थान ने शोध नीति बनाई।

इस अवसर पर राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री गोबिंद चंद्र महंत, सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र शर्मा और महामंत्री श्री देशराज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

विद्या भारती के उपाध्यक्ष ने प्रेस को किया संबोधित

शिक्षा के बिना विकास संभव नहीं - अवनीश भटनागर

भारतीय संस्कृति और राष्ट्रबोध पर आधारित समग्र शिक्षा प्रदान करते हैं विद्या मंदिर: अवनीश जी

बेतिया | विद्या भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि देशभर में संचालित 24,000 से अधिक विद्या मंदिर, जिसमें 35 लाख से अधिक विद्यार्थियों को, भारतीय संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रबोध पर आधारित समग्र शिक्षा प्रदान कर रहे हैं। बेतिया में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने जोर दिया कि ये विद्यालय शैक्षणिक पाठ्यक्रम के साथ-साथ योग, नैतिक मूल्य, और सामाजिक-राष्ट्रीय दायित्वों के माध्यम से छात्रों का सर्वांगीण विकास करते हैं।

मुख्य बिंदु:

शिक्षा का आधार: विद्या मंदिरों में शिक्षा भारतीय संस्कृति, संस्कारों और राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत है।

सर्वांगीण विकास: शैक्षणिक पाठ्यक्रमों के अलावा योग, नैतिक शिक्षा, और सेवा भाव पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

बाल वाटिका: छोटे बच्चों के लिए खेल-आधारित और वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग किया जा रहा है।

संस्कृति ज्ञान परियोजना: छात्रों को भारतीय इतिहास, महापुरुषों, और सांस्कृतिक धरोहर की जानकारी देने के लिए संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया जाता है, जिसमें अन्य स्कूलों के छात्र भी भाग लेते हैं।

पूर्वोत्तर क्षेत्र की क्षेत्रीय शैक्षिक परिषद् बैठक

असम | विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की क्षेत्रीय शैक्षिक परिषद की बैठक असम प्रकाशन भारती के सभागार में हुई। बैठक में प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक स्तर की शैक्षिक परिषदों के गठन एवं उसके कार्यों पर चर्चा हुई।

विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की वार्षिक ई-पत्रिका "पूर्वोत्तर संवाद-2025" का विमोचन भी किया गया।

बैठक में विद्या भारती के अखिल भारतीय महामंत्री देशराज शर्मा जी, अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्रीराम जी अरावकर, पूर्वोत्तर क्षेत्र के अध्यक्ष प्रो. गंगाप्रसाद परसाईं, मंत्री जगदीन्द्र रायचौधुरी, विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी, उद्यमी निश्चल नारायण जी, क्षेत्र प्रचार विभाग संयोजक विकाश शर्मा आदि उपस्थित रहे।

सप्तशक्ति संगम: मातृशक्ति के सात दिव्य गुणों के जागरण का महा-अभियान

आध्यात्मिक आधार श्रीमद्भगवद्गीता के दसवें अध्याय का 34वाँ श्लोक नारी की सात दिव्य शक्तियों— कीर्ति, श्री, वाक्, स्मृति, मेधा, धृति और क्षमा को भगवान की विभूति मानता है।

विद्या भारती द्वारा आयोजित 'सप्तशक्ति संगम' का मूल ध्येय मातृशक्ति में इन्हीं सात गुणों को जागृत कर उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना रहा।

अभियान की व्यापकता और सफलता देशभर में यह अभियान मातृशक्ति के अभूतपूर्व उत्साह के साथ संपन्न हुआ। सांख्यिकीय दृष्टि से इस अभियान ने नए कीर्तिमान स्थापित किए:

- कुल कार्यक्रम: 26,396 (भारत एवं नेपाल सहित)
- कुल सहभागिता: 30,21,689 मातृशक्ति
- विशिष्ट समापन समारोह: 41 स्थानों पर (कुल 21,005 विशिष्ट महिलाओं की उपस्थिति)

कोलकाता का विशेष उल्लेख: यहाँ 1,000 से अधिक मातृशक्ति की सहभागिता ने कार्यक्रम की सफलता को एक नई ऊँचाई दी।

प्रांतीय समापन समारोह एवं प्रबुद्ध सहभागिता 19 फरवरी 2026 तक प्रत्येक प्रांत में गरिमामय समापन समारोह आयोजित किए गए।

इन कार्यक्रमों में समाज के विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिष्ठित महिलाओं (डॉक्टर, अधिवक्ता, कलाकार, सामाजिक कार्यकर्ता एवं समविचारी संगठनों की प्रतिनिधि) को आमंत्रित किया गया।

वक्ताओं ने आह्वान किया कि नारी अपने आचरण और निस्वार्थ सेवा से 'व्यष्टि से परमेष्ठी' तक इन सात गुणों का विस्तार करे।

सप्त शक्ति संगम समापन समारोह

समीक्षा बैठक: 'साकेत निलयम', अयोध्या धाम अभियान की समीक्षा हेतु 26-27 फरवरी 2026 को अयोध्या धाम में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

वृत्त कथन: मा. अवनीश जी भटनागर ने देशभर का अवलोकन प्रस्तुत किया तथा डॉ. मधुश्री सावजी ने अखिल भारतीय वृत्त रखा।

अनुभव साझाकरण: सुश्री पवित्रा (नेपाल एवं पूर्व क्षेत्र) सहित सभी प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए।

शोध एवं प्रकाशन: डॉ. धरणीप्रिया ने शोध वृत्त दिया, जिस पर मा. रविंद्र कान्हेरे जी ने दिशादर्शन किया। श्रीमती साधना भण्डारी एवं डॉ. राजश्री वैद्य ने 'सप्तशक्ति स्मारिका' की रूपरेखा पर चर्चा की।

संगठनात्मक अपेक्षा: सुश्री रेखा चुडासमा एवं मा. देशराज जी ने संगठन और मातृशक्ति के परस्पर समन्वय पर विचार रखे।

भावी कार्ययोजना: मा. गोविंदचंद्र महंत का पाथेय अपने समापन उद्बोधन में अखिल भारतीय संगठन मंत्री मा. गोविंदचंद्र महंत ने 'अनुवर्तन' (Follow-up) पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा:

सतत संपर्क: कार्यक्रम से जुड़ी प्रबुद्ध महिलाओं और वक्ताओं के साथ निरंतर संवाद बनाए रखना आवश्यक है।

सामाजिक परिवर्तन: मातृशक्ति के माध्यम से 'पंचपरिवर्तन' और 'नशामुक्ति' जैसे अभियानों को समाज में प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकता है।

भविष्य का मार्ग: संपर्कित मातृशक्ति के सहयोग से विद्या भारती अपनी भविष्य की योजनाओं को और अधिक सफलतापूर्वक क्रियान्वित कर सकेगी।

निष्कर्ष: 'सप्तशक्ति संगम' केवल कार्यक्रमों की एक शृंखला नहीं, बल्कि मातृशक्ति द्वारा, मातृशक्ति के लिए और मातृशक्ति को समर्पित एक ऐसा प्रेरणादायी प्रयास सिद्ध हुआ है, जो समाज की वैचारिक दिशा बदलने में सक्षम है।

प्रान्तीय सप्तशक्ति संगम - झलकियाँ

मातृशक्ति ही समाज एवं राष्ट्र निर्माण की सशक्त स्तम्भ: हावड़ा में संपन्न हुआ 'सप्तशक्ति संगम'

हावड़ा: विवेकानंद विद्याविकास परिषद, दक्षिण बंग द्वारा 18 फरवरी 2026 को हावड़ा के 'शरद सदन' में 'प्रान्तीय सप्तशक्ति संगम' का भव्य आयोजन किया गया। इस समागम में वक्ताओं ने नई पीढ़ी के निर्माण में माँ की भूमिका और भारतीय सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव को अनिवार्य बताया।

मुख्य वक्ता एवं अतिथियों का संबोधन:

श्रीमती मधुश्री सावजी (अखिल भारतीय मंत्री, विद्या भारती): उन्होंने कहा कि "माँ शिशु की प्रथम गुरु है।" बच्चों में 'स्व' का बोध, आत्मविश्वास और आध्यात्मिकता का विकास करना मातृशक्ति का प्रमुख दायित्व है। उन्होंने नारी को 'सर्वशक्ति नारायणी स्वरूपा' बताते हुए स्वयं को सशक्त करने का आह्वान किया।

न्यायमूर्ति समाप्ती चटर्जी (पूर्व न्यायाधीश, कलकत्ता उच्च न्यायालय): उन्होंने माँ शारदा और रानी रासमणि जैसी महान विभूतियों का उदाहरण देते हुए भारतीय संस्कृति की समृद्धि पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम की विशिष्टता: समारोह में संस्कार भारती की अखिल भारतीय अध्यक्षा श्रीमती नीलांजना राय भी उपस्थित रहीं। बड़ी संख्या में मातृशक्ति की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को एक सामाजिक चेतना के अभियान में बदल दिया।

"स्त्री राष्ट्र की आत्मा है, मातृशक्ति के बिना विकसित भारत का संकल्प अधूरा": राँची में सप्तशक्ति संगम संपन्न

राँची: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में राँची में 'सप्तशक्ति संगम' का भव्य आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित राष्ट्र सेविका समिति की सह कार्यवाहिका सुनीता हल्देकर ने कहा कि माताएं ही शिवाजी को छत्रपति और नरेंद्र को विवेकानंद बनाती हैं। उन्होंने स्त्री को समाज को धारण करने वाली वास्तविक शक्ति बताया।

प्रमुख संबोधन:

डॉ. पूजा (मुख्य वक्ता): उन्होंने विकसित भारत के लक्ष्य के लिए मातृशक्ति के सक्रिय सहयोग को अनिवार्य बताया और माताओं से बच्चों को मोबाइल की लत से बचाकर अपनी संस्कृति से जोड़ने की अपील की।

पद्मश्री चामी मुर्मू (अध्यक्षा): पर्यावरण संरक्षण की मिसाल पेश करने वाली श्रीमती मुर्मू ने महिलाओं को जंगल बचाने और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वावलंबन की राह दिखाई।

सम्मान और गौरव: समारोह में झारखंड की विभूतियों—पद्मश्री जमुना टुडू, पद्मश्री छुटनी महतो, राष्ट्रपति पुरस्कार विजेता दीक्षा और अंतरराष्ट्रीय तीरंदाज रंजन सिंह सहित कई विशिष्ट महिलाओं को सम्मानित किया गया।

जारी ...

हिमाचल में "सप्तशक्ति संगम" का भव्य समापन: 26 लाख महिलाओं के संकल्प से गूँजा राष्ट्रवाद का स्वर

बिलासपुर (हि.प्र.): विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित देशव्यापी अभियान "सप्तशक्ति संगम" का हिमाचल प्रांत स्तरीय समापन समारोह रविवार को सरस्वती विद्या मंदिर कन्या निहाल, बिलासपुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित विशेष अभियानों की एक महत्वपूर्ण कड़ी रहा।

अभियान की उपलब्धियाँ:

व्यापक सहभागिता: इस देशव्यापी अभियान के माध्यम से देशभर की 26 लाख से अधिक महिलाओं को "श्री, वाक्, कीर्ति, मेधा, क्षमा, धृति एवं स्मृति" की सप्तशक्तियों से जोड़कर सांस्कृतिक पुनरुत्थान का मार्ग प्रशस्त किया गया।

राष्ट्रीय संकल्प: समापन समारोह में मातृशक्ति ने कुटुंब प्रबोधन (सशक्त परिवार) और पर्यावरण संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर सामूहिक संकल्प लिया।

वक्ताओं ने जोर दिया कि नारी राष्ट्र के नैतिक और सांस्कृतिक उत्थान की आधारशिला है। कार्यक्रम में प्रदेश भर की प्रबुद्ध महिलाओं और कार्यकर्ताओं ने अपनी उपस्थिति से इस सांस्कृतिक महाकुंभ को सफल बनाया।

"मातृशक्ति के जागरण से होगा सशक्त राष्ट्र का निर्माण": दिल्ली में सप्तशक्ति संगम का भव्य समापन

नई दिल्ली (21 फरवरी 2026): विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा आयोजित देशव्यापी अभियान "सप्तशक्ति संगम" का दिल्ली प्रांत स्तरीय समारोह सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नारी की सात दिव्य शक्तियों— श्री, वाक्, कीर्ति, मेधा, क्षमा, धृति एवं स्मृति को पुनः जागृत करना है। **अभियान के मुख्य आंकड़े:**

देशव्यापी प्रभाव: भारत भर में 22,000 कार्यक्रमों के माध्यम से 26 लाख से अधिक महिलाओं ने सहभागिता की।

दिल्ली की भूमिका: दिल्ली प्रांत में 84 सफल संगमों का आयोजन किया गया।

सांसद कमलजीत सहरावत ने कुटुंब प्रबोधन में नारी की भूमिका को रेखांकित किया, वहीं हंसराज कॉलेज की प्राचार्या डॉ. रमा शर्मा ने नारी को राष्ट्र की आधारशिला बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही डॉ. ज्योति चौथाईवाले ने सशक्त परिवार को सशक्त राष्ट्र की जननी कहा। समारोह का समापन भारतीय जीवन मूल्यों और पर्यावरण संरक्षण के संकल्प के साथ हुआ।

"मातृशक्ति का जागरण ही राष्ट्र निर्माण का उद्घोष": भोपाल में 'सप्तशक्ति संगम' का भव्य समापन

भोपाल: विद्या भारती मध्यभारत प्रांत द्वारा आयोजित मातृशक्ति केंद्रित विशेष अभियान "सप्तशक्ति संगम" का प्रांतीय समापन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्यप्रदेश शासन की राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने की।

अभियान की सफलता:

व्यापक प्रभाव: मध्यभारत प्रांत में इस अभियान के तहत 6,000 से अधिक मातृ गोष्ठियों का सफल आयोजन किया गया।

प्रमुख विषय: इन गोष्ठियों के माध्यम से कुटुंब प्रबोधन, स्वदेशी चेतना, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता जैसे विषयों पर समाज को जागरूक किया गया।

प्रमुख संबोधन: मुख्य अतिथि रेखा चूड़ासमा (अखिल भारतीय बालिका शिक्षा संयोजिका) ने मातृशक्ति के तेजस्वी संकल्पों की सराहना की, वहीं विशिष्ट अतिथि डॉ. अंशुमन अग्रवाल (सहायक पुलिस महानिरीक्षक) ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। उपस्थित मातृशक्ति ने राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय और संस्कारित भूमिका निभाने का दृढ़ संकल्प लिया।

जारी ...

"नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति है": गोरखपुर में 'सप्तशक्ति संगम' का भव्य समापन

गोरखपुर: सरस्वती बालिका विद्यालय, सूर्यकुंड के प्रांगण में 'सप्तशक्ति संगम' का प्रांतीय समापन समारोह अत्यंत भव्यता के साथ संपन्न हुआ। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के मार्गदर्शन में आयोजित इस समागम में गोरक्ष प्रांत की लगभग 1500 मातृ शक्तियों ने सहभागिता की।

मुख्य संबोधन:

डॉ. पूजा श्रीवास्तव (मुख्य अतिथि, वरिष्ठ अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट): उन्होंने नारी शक्ति के कानूनी और सामाजिक अधिकारों के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में उनकी अपरिहार्य भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बालिका शिक्षा और भारतीय संस्कृति के मूल्यों का संरक्षण ही विकसित भारत का मार्ग प्रशस्त करेगा।

सांस्कृतिक वैभव: विद्यालय की छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भारतीय परंपराओं की सुंदरता को जीवंत कर दिया।

समारोह का समापन "वंदे मातरम्" के सामूहिक गान और सप्त शक्तियों (श्री, वाक्, कीर्ति, मेधा, क्षमा, धृति एवं स्मृति) के जागरण के संकल्प के साथ हुआ।

"समाज और राष्ट्र निर्माण में पुरुषों के साथ कदम से कदम मिला रही हैं महिलाएँ": बेतिया में सप्तशक्ति संगम संपन्न

कुरुक्षेत्र (22 फरवरी 2026): विद्या भारती द्वारा हरियाणा में आयोजित 279 से अधिक कार्यक्रमों की विशाल श्रृंखला का भव्य समापन समारोह कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के आर.के. सदन में संपन्न हुआ। इस अभियान का मूल उद्देश्य महिलाओं के भीतर श्रीमद्भगवद्गीता में वर्णित सात दिव्य शक्तियों को जागृत कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

प्रमुख विमर्श:

राष्ट्र निर्माण: समारोह के दौरान वक्ताओं ने राष्ट्र के विकास में नारी शक्ति की अपरिहार्य भूमिका को रेखांकित किया।

सामाजिक संकल्प: कार्यक्रम में कुटुंब प्रबोधन (परिवार का संस्कारित वातावरण) और पर्यावरण संरक्षण जैसे ज्वलंत विषयों पर गहन चर्चा की गई।

सांस्कृतिक गौरव: गीता की जन्मस्थली कुरुक्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम ने मातृशक्ति को अपनी जड़ों और आध्यात्मिक शक्ति से जुड़ने की नई प्रेरणा दी।

"समाज और राष्ट्र निर्माण में पुरुषों के साथ कदम से कदम मिला रही हैं महिलाएँ": बेतिया में सप्तशक्ति संगम संपन्न

बेतिया (पश्चिमी चंपारण): लोक शिक्षा समिति द्वारा संघ शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित 'प्रांतीय सप्तशक्ति संगम' का भव्य समापन समारोह बड़ा रमना ऑडिटोरियम में संपन्न हुआ। इस समागम में चंपारण क्षेत्र की लगभग 2000 माताओं और बहनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रमुख संबोधन:

डॉ. पूजा (मुख्य वक्ता, क्षेत्रीय संयोजिका): उन्होंने मातृशक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि माताएं कमजोर नहीं हैं और राष्ट्रहित में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने सभी से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का विशेष आग्रह किया।

विशिष्ट उपस्थिति: मंच पर बेतिया की विधायक श्रीमती रेणु देवी, महापौर श्रीमती गरिमा सिंह सिकारिया, श्रीमती सुरभी घई, श्रीमती सिम्मी वर्मा और श्रीमती शर्मिला कुमारी जैसी प्रबुद्ध महिलाएँ आसीन रहीं।

सम्मान एवं सहभागिता: कार्यक्रम में उन सभी माताओं को सम्मानित किया गया जिन्होंने समाज के विकास में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। लोक शिक्षा समिति के सचिव श्री रामलाल सिंह एवं चंपारण विभाग के निरीक्षक श्री ललित कुमार राय सहित अनेक शिक्षाविदों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

प्रचार विभाग की क्षेत्रीय कार्यशाला

समाज में सकारात्मक शैक्षिक विमर्श स्थापित करें- डा. पवन तिवारी

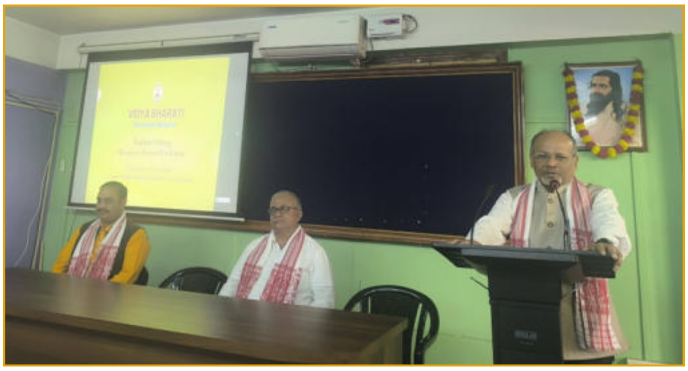

गुवाहाटी। विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र की ओर से दो दिवसीय क्षेत्रीय प्रचार कार्यशाला का आयोजन असम प्रकाशन भारती परिसर में किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत में प्रचार तंत्र को सुदृढ़ करना और शिक्षा के भारतीय स्वरूप को जन-जन तक पहुंचाना था।

इस अवसर पर क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ. पवन तिवारी ने कहा कि विद्या भारती केवल स्कूल चलाने वाला संगठन नहीं, बल्कि "भारत केंद्रित शिक्षा" की व्यवस्था के लिए समर्पित आंदोलन है। उन्होंने कहा कि प्रचार विभाग का कार्य केवल सूचना देना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक शैक्षिक विमर्श स्थापित करना है।

तकनीकी प्रशिक्षण: कार्यशाला में समाचार लेखन, कंटेंट क्रिएशन और एडिटिंग टूल्स के उपयोग पर विशेष सत्र आयोजित किए गए।

डिजिटल विमर्श: क्षेत्र संयोजक श्री विकाश शर्मा ने सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से वैचारिक सामग्री को सुसंगठित तरीके से प्रस्तुत करने पर चर्चा की।

रचनात्मक संवाद: 'विद्या भारती संवाद' की सम्पादक गायत्री गोस्वामी ने पत्रिका के माध्यम से रचनात्मक लेखन को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

कार्यशाला में प्रागज्योतिषपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. स्मृति कुमार सिन्हा, अखिल भारतीय संगठन मंत्री उच्च शिक्षा श्री के. एन. रघुनंदन और क्षेत्रीय मंत्री डॉ. जगदिन्द्र रायचौधुरी आदि उपस्थित रहे।

पूर्व छात्रों का महासंगम

पालमूरु (तेलंगाना)। संयुक्त पालमूरु जिले के 28 विद्यालयों के पूर्व छात्रों का महासंगम 22 फरवरी को वृंदावन गार्डन में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में 3000 से अधिक पूर्व छात्रों और 250 पूर्व शिक्षकों ने मातृभूमि और विद्यालय के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस अवसर पर श्री अयाचितुल लक्ष्मण राव क्षेत्र सचिव, दक्षिण मध्य क्षेत्र ने कहा कि समाज के हर ऊंचे पद पर शिशु मंदिर के पूर्व छात्र अपनी सेवा दे रहे हैं, जो राष्ट्र के लिए गर्व का विषय है।

पूर्व छात्र परिषद् के अध्यक्ष श्री रेड्डी हरि स्मरण रेड्डी और सचिव श्री चोल्लेटी राजा रेड्डी ने कहा कि पूर्व छात्र शिशु मंदिरों के गौरव को पुनर्स्थापित करने में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने बंद हो चुके स्कूलों को फिर से शुरू करने का संकल्प दोहराया।

महासंगम की बड़ी घोषणाएं और योगदान

इस आयोजन में पूर्व छात्रों और अतिथियों ने विद्यालय के बुनियादी ढांचे और आधुनिकीकरण (CBSE) के लिए दिल खोलकर दान दिया:

योगदानकर्ता	विद्यालय / परियोजना	योगदान का विवरण
श्री पदमा माधव रेड्डी	कलवाकुर्थी स्कूल	नए भवन हेतु ₹25 लाख
श्री अशोक (डिप्टी तहसीलदार)	पेद्दामंदाडी स्कूल	आधा एकड़ भूमि (मूल्य ₹25 लाख)
वानापर्थी पूर्व छात्र समूह	वानापर्थी स्कूल	CBSE स्कूल हेतु ₹1 करोड़
डॉ. विजय रेड्डी	CBSE निर्माण	₹50 लाख की आर्थिक सहायता
श्रीमती डी.के. अरुणा (सांसद)	गदवाल स्कूल	5 एकड़ भूमि आवंटन में सहयोग
श्री वाकिटि श्रीहरि (मंत्री)	आवासीय विद्यालय	भूमि आवंटन का आश्वासन

पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन

विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र द्वारा NSIL 2026 सेमीनार में पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन 16–17 फरवरी को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में किया गया, जिसमे कई अन्य अधिकारीयों सहित विद्या भारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष श्री अवनीश भटनागर भी का सानिद्य प्राप्त हुआ।

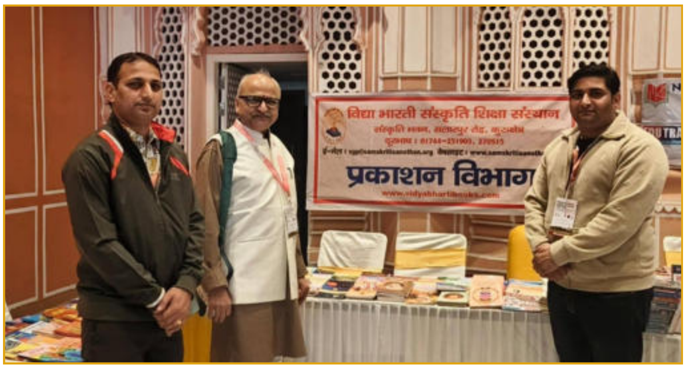

सूर्य नमस्कार अभियान

कुरुक्षेत्र। श्रीमद्भागवद्गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 12 जनवरी से 12 फरवरी तक संचालित सूर्य नमस्कार अभियान का भव्य समापन समारोह आयोजन हरियाणा योग आयोग के मार्गदर्शन में किया गया। विद्या भारती के कुरुक्षेत्र संकुल से लगभग 3000 विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया।

स्वामी रामदेव जी ने योग को भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर बताते हुए विद्यार्थियों को स्वस्थ, सशक्त एवं संस्कारित भारत के निर्माण का संदेश दिया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से विजय नड्डा जी, संगठन मंत्री उत्तर क्षेत्र और सुभाष सुधा जी, पूर्व मंत्री हरियाणा सरकार उपस्थित रहे।

'संस्कार दिवस' का आयोजन

रायगंज (उत्तर दिनाजपुर)। सुदर्शनपुर स्थित शारदा विद्या मन्दिर (अंग्रेजी माध्यम) में 14 फरवरी को 'संस्कार दिवस' का आयोजन कर 'मातृ देवो भव: पितृ देवो भव:' के उद्घोष के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर बच्चों ने अपने अभिभावकों के चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद लिया। वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में अपने मार्ग से भटक रही है। ऐसे में नई पीढ़ी को सही मार्गदर्शन और परामर्श देना अनिवार्य है।

वैदिक गणित की अखिल भारतीय बैठक

गुवाहाटी। विद्या भारती की अखिल भारतीय वैदिक गणित बैठक नेपाली संस्कृति सदन, पानीखाइती, गुवाहाटी में किया गया।
बैठक में प्रमुख रूप से अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्रीराम जी आरावकर, वैदिक गणित के अखिल भारतीय संयोजक देवेंद्र राव देशमुख जी, विद्या भारती के 11 क्षेत्रों से क्षेत्रीय संयोजकों और सह संयोजकों ने सहभागिता की।

पटना के सरस्वती विद्या मंदिर कदमकुआं के नवनिर्मित भवन का भव्य लोकार्पण संपन्न

विकसित भारत 2047 के निर्माण में विद्या भारती की भूमिका अतुलनीय – सम्राट चौधरी

पटना (6 फरवरी 2026): भारतीय ज्ञान परंपरा और संस्कारों को समर्पित सरस्वती विद्या मंदिर कदमकुआं के भव्य नवनिर्मित भवन का लोकार्पण बिहार के माननीय उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत प्रधानाचार्य द्वारा मंचासीन अतिथियों के परिचय और सम्मान के साथ हुई।

उपमुख्यमंत्री का उद्बोधन: श्री सम्राट चौधरी ने विद्या भारती के विशाल शैक्षिक नेटवर्क की सराहना करते हुए कहा कि देशभर में संचालित 30,000 संस्थानों से निकले 15 लाख छात्र आज चिकित्सा, इंजीनियरिंग और सिविल सेवाओं के माध्यम से राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए हमें अपनी संस्कृति और सनातन मूल्यों को अपनाना होगा।
राष्ट्रवाद का स्वर: उपमुख्यमंत्री ने "सिया राम की जय" के उद्घोष के साथ बिहार की पावन भूमि और भारतीय गौरव को नमन किया।
मार्गदर्शन एवं आशीर्वचन: राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाह डॉ. मोहन सिंह ने शिक्षा के माध्यम से चरित्र निर्माण पर बल दिया। वहीं, कुम्हरार के विधायक श्री संजय गुप्ता ने विद्यालय के विकास के लिए निरंतर सहयोग देने का संकल्प दोहराया।

औरंगाबाद (बिहार) में प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन

औरंगाबाद, बिहार: भारती शिक्षा समिति बिहार एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति बिहार के तत्वावधान में आयोजित प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। दीप प्रज्ज्वलन श्री ख्यालीराम (क्षेत्रीय संगठन मंत्री), श्री प्रदीप कुमार कुशवाहा (प्रदेश सचिव) तथा श्री वीरेंद्र कुमार (जिला निरीक्षक, मुंगेर) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। ख्यालीराम जी ने "हमारा लक्ष्य" विषय पर प्रेरणादायी उद्बोधन देते हुए शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण, संस्कारयुक्त शिक्षा तथा आचार्यों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला।

श्री देशराज शर्मा, अखिल भारतीय महामंत्री विद्या भारती, का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। सम्मेलन में सरस्वती शिशु मंदिर, औरंगाबाद में सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर गहन विचार-विमर्श हुआ।

श्री देशराज शर्मा ने शिशु वाटिका को 3 से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए योग, संस्कार और जीवनोपयोगी शिक्षा पर आधारित एक सशक्त मॉडल बताया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में माधव सेतु, ई-लाइब्रेरी तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित शिशु वाटिका परिसर का उद्घाटन भी किया गया।

श्री किशनवीर सिंह शाक्य ने नई शिक्षा नीति के पाँच स्तंभ— गुणवत्ता, समानता, वहनयोग्यता, सुलभता और उत्तरदायित्व—पर प्रकाश डालते हुए इसे प्रभावी रूप से लागू करने का आह्वान किया।

सम्मेलन में सामाजिक समरसता तथा डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन पर भी मार्गदर्शन दिया गया, जिसे श्री ब्रह्माजी राव, मंत्री, विद्या भारती ने प्रस्तुत किया।

वार्षिक दैनंदिनी का विमोचन

महाकौशल | 14 फरवरी (पंचांग अनुसार विक्रम संवत 2082, माघ मास) को विद्या भारती महाकौशल प्रांत, सरस्वती शिक्षा परिषद् द्वारा वार्षिक दैनंदिनी 2026–27 का विमोचन किया गया। इस अवसर पर भालचंद रावले जी, अमित जी दवे प्रांत संगठन मंत्री, विष्णुकांत जी ठाकुर प्रांत कोषाध्यक्ष, ईश्वरदास जी पटेल ग्रामीण शिक्षा प्रांत सचिव, डॉ. सुधीर अग्रवाल जी प्रांत सचिव, श्री हरिराम जी तिवारी प्रांत प्रमुख, सरस्वती शिक्षा परिषद, अरविंद लोधी जी प्रांत प्रमुख ग्रामीण शिक्षा आदि मौजूद रहे।

सरस्वती विद्या मंदिर भेल को प्रतिष्ठित 'कमला नेहरू पुरस्कार'

हरिद्वार। शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, भेल (रानीपुर) ने सत्र 2024-25 के लिए उत्तराखंड सरकार का प्रतिष्ठित 'कमला नेहरू पुरस्कार' अपने नाम किया है। बहादराबाद ब्लॉक में सर्वाधिक 103 मेधावी छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विद्यालय को इस सम्मान के लिए चुना गया है।

पुरस्कार की मुख्य विशेषताएं:

- यह सम्मान उन विद्यालयों को दिया जाता है जहाँ के छात्र बोर्ड परीक्षाओं में 75% से अधिक अंक प्राप्त करते हैं।
- योजना के अंतर्गत मेधावी छात्र-छात्राओं की माताओं को नकद धनराशि और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया जाता है।
- यह पुरस्कार महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के प्रति अभिभावकों के प्रोत्साहन को रेखांकित करता है।

कमला नेहरू पुरूस्कार मिलने पर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में खुशी की लहर

हरिद्वार, 17 फरवरी। भेल सेक्टर-2 स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज ने सत्र 2024-25 का कमला नेहरू पुरूस्कार प्राप्त किया है। कमला नेहरू पुरस्कार उत्तराखंड सरकार द्वारा ब्लॉक के विद्यालयों और बोर्ड परीक्षा में 75 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं की माताओं को प्रदान किया जाता है। इस वर्ष बहादराबाद ब्लॉक में सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज ने 103 छात्र संख्या के साथ यह पुरुस्कार प्राप्त किया है। पुरूस्कार मिलने पर विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल है। छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों ने इस उपलब्धि पर मिठाई बांटकर एक-दूसरे के साथ खुशी मनाई। प्रधानाचार्य लोकेंद्रदत्त अंथवाल ने सभी को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय परिवार की सामूहिक मेहनत, अनुशासन और भारतीय संस्कारों पर आधारित शिक्षा का सुंदर परिणाम है। यह सफलता हमें [illegible] अधिक उत्कृष्टता की ओर प्रेरित करती है।

तेरा तुझको अर्पण के भाव के साथ सामाजिक रूप से सक्रिय विद्या भारती के पूर्व छात्र

सेवा सिंह, कुरुक्षेत्र: अब कमजोर वर्ग के होनहार छात्र भी अपने सपनों को पंख लगा सकेंगे। उन्हें श्रीमद्भगवद्गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (एसएमबी गीता विद्यालय) जैसे संस्थान में डे-बोर्डिंग बच्चों की तर्ज पर पढ़ाई करने का मौका मिल पाएगा। न केवल उनकी पढ़ाई फ्री होगी बल्कि रहने से लेकर खाने-पीने तक पर भी कोई खर्च वहन नहीं करना पड़ेगा। इसके लिए विद्यालय के ही पूर्व छात्रों ने बीड़ा उठाया है।

लक्ष्य: 5 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें से 2 करोड़ रुपये एकत्रित किए जा चुके हैं।

पूर्व छात्र संगठन: विद्या भारती के अंतर्गत पूर्व छात्रों का संगठन सबसे बड़ा माना जा रहा है। पोर्टल पर ही करीब 10 लाख 60 हजार पूर्व विद्यार्थी जुड़े हैं। इस विद्यालय के पूर्व छात्र 92 देशों तक फैले हैं।

प्रमुख पूर्व छात्र: सेवानिवृत्त उप मुख्य सचिव रोशन लाल सैनी, आईएएस कुलदीप आर्य, आईएएस वीरेंद्र अरोड़ा, आईएएस सुशील कुमार, 12 पेटेंट ले चुके यूएसए में श्री सुधीर अग्रवाल, डीयू कुलपति श्री योगेश सिंह, श्री आरके

कमजोर वर्ग के छात्रों के लिए पांच करोड़ जुटाएंगे पूर्व छात्र

एसएमबी गीता विद्यालय के पूर्व छात्रों ने उठाया बीड़ा, पढ़ाई से लेकर रहने व खाने-पीने की भी होगी व्यवस्था

अब तक दो करोड़ रुपये का हो चुका है प्रबंध

प्रधानाचार्य रहे दीनानाथ बत्रा की 96वीं जयंती पर एकजुट होंगे पूर्व छात्र : अशोक रोशा

मित्तल, रजनी अरोड़ा जी सहित कई कुलपति, डीजीपी और राजनीतिज्ञ इस विद्यालय के पूर्व छात्र रहे हैं।

प्राचार्य रहे दीनानाथ बत्रा की 96वीं जयंती पर एकजुट होंगे पूर्व छात्र: विद्यालय प्रबंधन समिति के वरिष्ठ उप प्रधान अशोक रोशा ने बताया कि 1964 से 1991 तक प्राचार्य रहे दीनानाथ बत्रा जी की 96वीं जयंती पर 5 मार्च को विद्यालय में बड़ा कार्यक्रम होगा। इस अवसर पर 'नक्षत्र वाटिका' बनाई जाएगी और उनके द्वारा लिखित पुस्तकों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। दीनानाथ बत्रा जी को उनके समर्पण के लिए राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार भी मिला था।

सेवा की मिसाल: डिस्कॉम इंजीनियर हेमंत पटेल ने 140 युवाओं को दिलाई सरकारी नौकरी

मंडे पॉजिटिव — जेईएन हेमंत पटेल सुबह 6 बजे से कोचिंग देते हैं, पढ़ाई के दिनों से पढ़ा रहे

बरसों से फ्री में कोचिंग दे रहे हैं डिस्कॉम के ये इंजीनियर, अब तक 140 युवाओं को सरकारी नौकरी दिलवा चुके

डीआरडीओ पहुंचे जगदीश ने कहा-सर ने हमारी मेहनत देखी

पाली/जोधपुर: जोधपुर डिस्कॉम में कार्यरत कनिष्ठ अभियंता हेमंत पटेल (पटेल सर) अपनी ड्यूटी के साथ-साथ समाज सेवा की एक अनूठी मिसाल पेश कर रहे हैं। वे पिछले कई वर्षों से जरूरतमंद और मध्यम वर्ग के विद्यार्थियों को निःशुल्क (फ्री) कोचिंग दे रहे हैं, जिसके सुखद परिणाम स्वरूप अब तक 140 से अधिक युवाओं का चयन विभिन्न सरकारी नौकरियों में हो चुका है।

निशुल्क मार्गदर्शन: हेमंत पटेल प्रतिदिन सुबह 6 से 8 बजे तक छात्रों को गणित और अन्य विषयों की कोचिंग देते हैं।

सफलता का ग्राफ: उनके द्वारा प्रशिक्षित छात्र आज DRDO, ISRO, भारतीय रेलवे, और परमाणु अनुसंधान केंद्र जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ-साथ पुलिस, पटवारी और शिक्षक के रूप में सेवा दे रहे हैं।

शिक्षा की नींव: हेमंत जी स्वयं सरस्वती विद्या मंदिर, पाली के छात्र रहे हैं और एमटेक करने के बाद 2017 में डिस्कॉम में नियुक्त हुए थे।

विद्यार्थियों का आभार: सफल छात्रों का कहना है कि आर्थिक तंगी के कारण वे भारी-भरकम फीस नहीं दे सकते थे, ऐसे में 'पटेल सर' उनके लिए एक बड़े सहारे के रूप में सामने आए।

डॉ. अजीत भारती को राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान

भोपाल। विद्या भारती द्वारा आयोजित अखिल भारतीय निबंध प्रतियोगिता में शारदा विहार आवासीय विद्यालय के आचार्य डॉ. अजीत भारती ने राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान प्राप्त कर मध्य प्रदेश और संस्थान को गौरवान्वित किया है।

उपलब्धियां

कंकिता दास ने समुद्र में 17 किमी तैरकर रचा इतिहास

गुवाहाटी: असम की नन्हीं तैराक कंकिता दास ने अरब सागर की लहरों को मात देते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। मात्र 11 वर्ष की आयु में, कंकिता 17 किलोमीटर की ओपन-वाटर तैराकी पूरी करने वाली पूर्वोत्तर भारत की पहली तैराक बन गई हैं।

ऐतिहासिक सफर: विष्णुपथ शंकरदेव विद्यालय की छठी कक्षा की छात्रा कंकिता ने महाराष्ट्र के रेवास जेट्टी से गेटवे ऑफ इंडिया तक की दूरी तय की।

समय का रिकॉर्ड: उन्होंने यह चुनौतीपूर्ण दूरी मात्र 5 घंटे 44 मिनट में पूरी की, जो सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस मार्ग पर अब तक का सबसे तेज समय है।

समय का रिकॉर्ड: उन्होंने यह चुनौतीपूर्ण दूरी मात्र 5 घंटे 44 मिनट में पूरी की, जो सरकारी आंकड़ों के अनुसार इस मार्ग पर अब तक का सबसे तेज समय है।

साहस का परिचय: कंकिता ने अपना सफर सुबह 5:00 बजे घने अंधेरे में शुरू किया और ऊंची लहरों व समुद्री धाराओं से जूझते हुए सुबह 10:44 बजे लक्ष्य तक पहुँचीं।

प्रशिक्षण और सम्मान: कंकिता ने कोच बाबुल गुरुंग के मार्गदर्शन में गुवाहाटी के डॉ. जाकिर हुसैन एक्वाटिक कॉम्प्लेक्स में कड़ा प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि पर असम तैराकी संघ ने उन्हें बधाई देते हुए इसे पूर्वोत्तर के खेल इतिहास का एक नया अध्याय बताया है।

नेशनल बॉक्सिंग में मांशु को गोल्ड मेडल

गोहाना। गीता विद्या मंदिर के 11वीं कक्षा के छात्र मांशु ने बेंगलुरु में आयोजित 68वीं एसजीएफआई अंडर-19 नेशनल स्कूली बॉक्सिंग प्रतियोगिता के 46-49 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

सरस्वती प्रतिभा खोज परीक्षा में प्रज्ञा त्रिपाठी प्रथम

भेंटुआ/अमेठी। जन शिक्षा समिति काशी प्रदेश द्वारा आयोजित सरस्वती प्रतिभा खोज परीक्षा–2025 में सरस्वती शिक्षा मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ग्राम भारती (यूपी बोर्ड), परतोष अमेठी की छात्रा प्रज्ञा त्रिपाठी ने काशी प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन -जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

www.vidyabharti.net I www.vidyabharatisamvad.com
Email : vbabss@yahoo.com I vbsamvad@gmail.com
Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

@VidyaBharatiIN